# संस्कृतम् (सम्प्रेषणात्मकम्)

## विषय-कोड्-सङ्ख्या - 119

## कक्षा - दशमी (2025-26)

**आहत्य-अङ्काः - 80+20**

वार्षिकमूल्याङ्कनाय निर्मिते प्रश्नपत्रे चत्वारः भागाः भविष्यन्ति –

| | | |
|---|---|---|
| **'क' भागः** | **अपठितावबोधनम्** | **10 अङ्काः** |
| **'ख' भागः** | **रचनात्मककार्यम्** | **15 अङ्काः** |
| **'ग' भागः** | **अनुप्रयुक्तव्याकरणम्** | **25 अङ्काः** |
| **'घ' भागः** | **पठितावबोधनम्** | **30 अङ्काः** |

**भागानुसारं विषयाः अङ्कविभाजनं च** **80 अङ्काः**

| क्र. सं. | विषयाः | प्रश्नप्रकाराः | मूल्यभारः |
|---|---|---|---|
| | **'क' भागः अपठितावबोधनम्** | | **10 अङ्काः** |
| 1. | एकः गद्यांशः (80-100 शब्दपरिमितः) | अति-लघूत्तरात्मकौ<br>पूर्णवाक्यात्मकौ<br>शीर्षकम् (लघूत्तरात्मकः)<br>भाषिककार्यम् (बहुविकल्पात्मकाः) | 2×1=2<br>2×2=4<br>1×1=1<br>3×1=3 |
| | | **पूर्णभारः** | **10 अङ्काः** |
| | **'ख' भागः रचनात्मककार्यम्** | | **15 अङ्काः** |
| 2. | औपचारिकम् अथवा अनौपचारिकं पत्रम्<br>(मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानपूर्तिमाध्यमेन पूर्णं पत्रं लेखनीयम्) | निबन्धात्मकः | 10×½=5 |
| 3. | चित्रवर्णनम् अथवा अनुच्छेदलेखनम् | पूर्णवाक्यात्मकः | 5×1=5 |
| 4. | कथापूर्तिः/ संवादपूर्तिः<br>(मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानपूर्तिमाध्यमेन पूर्णः संवादः लेखनीयः / पूर्णा कथा लेखनीया) | निबन्धात्मकः | 10×½=5 |
| | | **पूर्णभारः** | **15 अङ्काः** |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **'ग' भागः**<br>**अनुप्रयुक्तव्याकरणम्** | | | **25 अङ्काः** |
| 5. | सन्धयः | लघूत्तरात्मकाः | 4×1=4 |
| 6. | समासाः | बहुविकल्पात्मकाः | 4×1=4 |
| 7. | प्रत्ययाः | बहुविकल्पात्मकाः | 4×1=4 |
| 8. | वाच्यपरिवर्तनम् | लघूत्तरात्मकाः | 3×1=3 |
| 9. | समयः | लघूत्तरात्मकाः | 3×1=3 |
| 10. | अव्ययानि | लघूत्तरात्मकाः | 4×1=4 |
| 11. | अशुद्धि-संशोधनम् | बहुविकल्पात्मकाः | 3×1=3 |
| | | **पूर्णभारः** | **25 अङ्काः** |
| **'घ' भागः**<br>**पठितावबोधनम्** | | | **30 अङ्काः** |
| 12. | गद्यांशः | अति-लघूत्तरात्मकौ<br>पूर्णवाक्यात्मकौ<br>लघूत्तरात्मकौ (भाषिककार्यम्) | 2×½=1<br>2×1=2<br>2×1=2 |
| 13. | पद्यम् (श्लोकः/ श्लोकौ) | अति-लघूत्तरात्मकौ<br>पूर्णवाक्यात्मकौ<br>लघूत्तरात्मकौ (भाषिककार्यम्) | 2×½=1<br>2×1=2<br>2×1=2 |
| 14. | नाट्यांशः | अति-लघूत्तरात्मकौ<br>पूर्णवाक्यात्मकौ<br>लघूत्तरात्मकौ (भाषिककार्यम्) | 2×½=1<br>2×1=2<br>2×1=2 |
| 15. | प्रश्ननिर्माणम् | पूर्णवाक्यात्मकाः | 5×1=5 |
| 16. | अन्वयः अथवा भावार्थः (रिक्तस्थानपूर्तिमाध्यमेन) | निबन्धात्मकः | 4×½=2 |
| 17. | प्रसङ्गानुसारम् अर्थचयनम् | बहुविकल्पात्मकाः | 4×1=4 |
| 18. | पाठाधारित-कथापूर्तिः<br>(मञ्जूषापदसहायतया रिक्तस्थानपूर्तिः) | निबन्धात्मकः | 8×½=4 |
| | | **पूर्णभारः** | **30 अङ्काः** |
| | | **सम्पूर्णभारः** | **80 अङ्काः** |

## प्रश्नपत्र-प्रारूपम् /संरचना
## संस्कृतम् (सम्प्रेषणात्मकम्)
### विषय-कोड्-सङ्ख्या - 119
### कक्षा – दशमी (2025-26)

| प्रश्नप्रकारः | प्रश्नानां सङ्ख्या | विभाग-सङ्ख्या | प्रतिप्रश्नम् अङ्कभारः | आहत्याङ्काः |
|---|---|---|---|---|
| **बहुविकल्पात्मकाः 1 अङ्कः** | 3+4+4+3+4=18 | 5 | 1 | 18 |
| **अति-लघूत्तरात्मकाः ½ अङ्कः** | 2+2+2=6 | 3 | ½ | 3 |
| **अति-लघूत्तरात्मकाः 1 अङ्कः** | 2=2 | 1 | 1 | 2 |
| **निबन्धात्मकः ½ अङ्कः** (रिक्तस्थानपूर्तिमाध्यमेन) | 10+10+4+8=32 | 4 | ½ | 16 |
| **दीर्घोत्तरात्मकाः 1 अङ्कः** | 5+2+2+2+5=16 | 5 | 1 | 16 |
| **दीर्घोत्तरात्मकाः 2 अङ्कौ** | 2=2 | 1 | 2 | 4 |
| **लघूत्तरात्मकाः 1 अङ्कः** | 1+4+3+3+4+2+2+2=21 | 8 | 1 | 21 |
| | | | **आहत्याङ्काः** | **80** |

# संस्कृतम् (सम्प्रेषणात्मकम्)
## विषय-कोड्-सङ्ख्या - 119
## कक्षा - दशमी (2025-26)
## वार्षिकं मूल्याङ्कनम्

| | |
|---|---|
| **'क' भागः**<br>**अपठितावबोधनम्** | **(10 अङ्काः)** |
| 1. एकः अपठितः गद्यांशः<br>80-100 शब्दपरिमितः गद्यांशः, सरलकथा<br>➢ एकपदेन पूर्णवाक्येन च अवबोधनात्मकं कार्यम् (2+4)<br>➢ शीर्षकलेखनम् (1)<br>➢ गद्यांशाधारितं भाषिकं कार्यम् (3)<br>भाषिककार्याय तत्त्वानि -<br>✓ वाक्ये कर्तृ-क्रियापदचयनम्<br>✓ विशेषण-विशेष्यचयनम्<br>✓ पर्याय-विलोमपदचयनम् | 10 |
| **'ख' भागः**<br>**रचनात्मककार्यम्** | **(15 अङ्काः)** |
| 2. सङ्केताधारितम् औपचारिकम् अथवा अनौपचारिकं पत्रलेखनम्<br>(मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानपूर्तिमाध्यमेन पूर्णं पत्रं लेखनीयम्) | 5 |
| 3. चित्राधारितं वर्णनम् अथवा अनुच्छेदलेखनम्<br>(मञ्जूषायाः सहायतया चित्रवर्णनम् अनुच्छेदलेखनं वा करणीयम्) | 5 |
| 4. संवादपूर्तिः / कथापूर्तिः (कथा छात्रस्तरानुगुणम् एव भवेत्।)<br>(मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानपूर्तिमाध्यमेन पूर्णः संवादः / कथा लेखनीया।) | 5 |
| **'ग' भागः**<br>**अनुप्रयुक्तव्याकरणम्** | **(25 अङ्काः)** |
| 5. सन्धिकार्यम्<br>➢ स्वरसन्धिः - वृद्धिः, यण्, अयादिः, पूर्वरूपम् (1 अङ्कः)<br>➢ व्यञ्जनसन्धिः - परसवर्णः (अनुस्वारस्थाने पञ्चमवर्णस्य प्रयोगः), तुगागमः, वर्गीयप्रथमवर्णस्य तृतीयवर्णे परिवर्तनम्। (1 अङ्कः)<br>➢ विसर्गसन्धिः - उत्वम्, रत्वम्, विसर्गलोपः, विसर्गस्य स्थाने स्,श्,ष् (2 अङ्कौ) | 4 |
| 6. समासाः - (वाक्येषु समस्तपदानां विग्रहः विग्रहपदानां च समासः)<br>➢ तत्पुरुषः – विभक्तिः, नञ्, उपपदः (2 अङ्कौ)<br>➢ द्वन्द्वः (1 अङ्कः) | 4 |

| | |
|---|---|
| ➢ अव्ययीभावः (अनु, उप, सह, निर्, प्रति, यथा) (1 अङ्कः) | |
| 7. प्रत्ययाः<br>➢ कृत्प्रत्ययौ – तव्यत्, अनीयर् (1 अङ्कः)<br>➢ तद्धिताः – मतुप्, ठक्, त्व, तल् (2 अङ्कौ)<br>➢ स्त्रीप्रत्ययौ – टाप्, ङीप् (1 अङ्कः) | 4 |
| 8. वाच्यपरिवर्तनम् - केवलं लट्लकारे (कर्तृ-कर्म-क्रिया) | 3 |
| 9. समयः - अङ्कानां स्थाने शब्देषु समयलेखनम्<br>(सामान्य-सपाद-सार्ध-पादोन) | 3 |
| 10. अव्ययानि<br>इव, उच्चैः, एव, नूनम्, इतस्ततः, विना, तु, सहसा, वृथा, शनैः, इति, मा, यत्, अथ सम्प्रति, इदानीम्, अधुना, यावत्-तावत्, बहिः, कदापि, तु, च, अपि, पुरा, अत्र-तत्र, यथा-तथा, कदा, अद्य, श्वः, परश्वः,ह्यः, परह्यः, किमर्थम्, कुत्र, यदि-तर्हि, अतः। | 4 |
| 11. अशुद्धि-संशोधनम् (वचन-लिङ्ग-पुरुष-लकार-दृष्ट्या संशोधनम्) | 3 |
| **'घ' भागः**<br>**पठितावबोधनम्** | **(30 अङ्काः)** |
| 12. गद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्<br>प्रश्नप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि<br>भाषिककार्यम् –<br>➢ वाक्ये कर्तृ-क्रियापदचयनम्<br>➢ विशेषण-विशेष्यचयनम्<br>➢ पर्याय-विलोमपदचयनम् | 5 |
| 13. पद्यम् (श्लोकम्/श्लोकौ) अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्<br>प्रश्नप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि<br>भाषिककार्यम् –<br>➢ वाक्ये कर्तृ-क्रियापदचयनम्<br>➢ विशेषण-विशेष्यचयनम्<br>➢ पर्याय-विलोमपदचयनम् | 5 |
| 14. नाट्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्<br>प्रश्नप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि<br>भाषिककार्यम् –<br>➢ वाक्ये कर्तृ-क्रियापदचयनम्<br>➢ विशेषण-विशेष्यचयनम्<br>➢ पर्याय-विलोमपदचयनम् | 5 |
| 15. वाक्येषु रेखाङ्कितपदानि अधिकृत्य प्रश्ननिर्माणम् | 5 |
| 16. एकस्य श्लोकस्य अन्वयः अथवा भावार्थः | 2 |

| | |
|---|---|
| (मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानपूर्तिमाध्यमेन पूर्णः अन्वयः भावार्थः वा लेखनीयः)<br>17. प्रसङ्गानुसारम् अर्थचयनम् (पाठान् आधृत्य बहुविकल्पात्मकाः प्रश्नाः)<br>18. पाठाधारित-कथापूर्तिः (मञ्जूषापदसहायतया रिक्तस्थानपूर्तिः) | <br>4<br>4 |

**आहत्याङ्काः - 80**

## परीक्षायै निर्धारिताः पाठाः

| पाठसङ्ख्या | पाठनाम | पाठसङ्ख्या | पाठनाम |
|---|---|---|---|
| प्रथमः पाठः | वाङ्मयं तपः | सप्तमः पाठः | साधुवृत्तिं समाचरेत् |
| द्वितीयः पाठः | नास्ति त्यागसमं सुखम् | अष्टमः पाठः | तिरुक्कुरल्-सूक्ति-सौरभम् |
| तृतीयः पाठः | रमणीया हि सृष्टिः एषा | नवमः पाठः | सुस्वागतं भो! अरुणाचलेऽस्मिन् |
| चतुर्थः पाठः | आज्ञा गुरूणां हि अविचारणीया | दशमः पाठः | कालोऽहम् (केवलम् आन्तरिकमूल्याङ्कनाय) |
| पञ्चमः पाठः | अभ्यासवशगं मनः | | |
| षष्ठः पाठः | राष्ट्रं संरक्ष्यमेव हि | एकादशः पाठः | किं किम् उपादेयम् (केवलम् आन्तरिकमूल्याङ्कनाय) |

**अवधेयम् -**

*** परीक्षायै अनुप्रयुक्तव्याकरणस्य अंशानां चयनं यथासम्भवं 'मणिका-द्वितीयो भागः इति' पाठ्यपुस्तकात् करणीयम्। यदि ततः न सम्भवति तर्हि 'मणिका-अभ्यासपुस्तकम् द्वितीयो भागः' इत्यस्मात् चेतुं शक्यते।**

**निर्धारित-पाठ्यपुस्तके-**

1. **'मणिका'- द्वितीयो भागः,** पाठ्यपुस्तकम् (प्रकाशनम् - केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, भारतम्)
2. **'मणिका-अभ्यासपुस्तकम्' - द्वितीयो भागः** (प्रकाशनम् - केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, भारतम्)

# आन्तरिक-मूल्याङ्कनम्

## (20 अङ्काः)

<u>उद्देश्यानि</u>

- ❖ छात्राणां सृजनात्मकक्षमतायाः विकासः।
- ❖ श्रवण-भाषण-पठन-लेखनकौशलानां विकासः।
- ❖ चिन्तनक्षमतायाः आत्मविश्वासस्य च संवर्धनम्।

| क्र. सं. | गतिविधयः | उदाहरणानि | अङ्काः | निर्देशाः | मूल्याङ्कनबिन्दवः |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | **आवधिक-परीक्षाः (पीरियोडिक् - असैस्मैंट)** | लिखितपरीक्षा | 05 | विद्यालयेन समये समये लिखितपरीक्षाणाम् आयोजनं करणीयं भवति। | परीक्षासु यत्र विद्यार्थिनः श्रेष्ठाः अङ्काः स्युः तयोः द्वयोः परीक्षयोः एव अधिभारः ग्रहीतव्यः। अपि च आवधिकपरीक्षासु अपि प्रश्नेषु आन्तरिकविकल्पाः देयाः। मूल्याङ्कनसमये यदि छात्रः सर्वान् प्रश्नान् उत्तरति तर्हि छात्रहिताय यत्र अधिकाः अङ्काः सन्ति तेषाम् एव मूल्याङ्कनं करणीयम्। |
| 2 | **बहुविधमूल्याङ्कनम्** | ❖ कक्षायां पाठितस्य पाठस्य लघुमूल्याङ्कनम्<br>❖ निर्गतपत्राणि<br>❖ प्रश्नोत्तरी<br>❖ मौखिकी परीक्षा<br>❖ प्रतियोगिताः<br>❖ प्रश्नमञ्चस्यायोजनम् | 05 | कक्षायां पाठित-पाठस्य विषयस्य वा बहुविधं मूल्याङ्कनम् अपेक्षितम् अस्ति। अनेन विद्यार्थिनां विविधकौशलानां मूल्याङ्कनं भवेत्। | ❖मौलिकता<br>❖विषयसम्बद्धता<br>❖शुद्धता<br>❖समयबद्धता<br>❖प्रस्तुतीकरणम् |
| 3. | **निवेशसूचिका (पोर्टफोलियो)** | ❖ कक्षाकार्यम्<br>❖ सामूहिक-मूल्याङ्कनम्<br>❖ स्वमूल्याङ्कनम्<br>❖ विद्यार्थिनः विषयगताः उपलब्धयः | 05 | विद्यार्थिभिः कक्षायां कृतानां कार्याणाम् उपलब्धीनां च संरक्षणं संयोजनं च सञ्चिकायां पत्रावल्यां वा करणीयम्। एतेन समग्रं मूल्याङ्कनं प्रमाणिकत्वेन भवितुं शक्नोति। | ❖ सुलेखः<br>❖ तथ्यात्मकता<br>❖ प्रामाणिकता<br>❖ समयबद्धता |

<table>
<tr><td rowspan="2">4.</td><td>भाषा-संवर्धनाय गतिविधयः<br>(क) श्रवण-भाषण-कौशलम्</td><td>❖ कथा<br>❖ संवादः/ वार्तालापः<br>❖ भाषणम्<br>❖ नाटकम्<br>❖ वार्ताः<br>❖ आशुभाषणम्<br>❖ संस्कृतगीतानि<br>❖ श्लोकोच्चारणम्<br>❖ प्रहेलिकाः</td><td rowspan="2">05</td><td>❖ छात्राः कामपि कथां श्रावयितुं शक्नुवन्ति।<br>❖ शिक्षकः कमपि विषयं सूचयित्वा परस्परं संवादं कारयितुं शक्नोति।<br>❖ दूरदर्शने वार्तावली इत्याख्यः संस्कृत-कार्यक्रमः प्रसारितः भवति तं द्रष्टुं छात्राः प्रेरणीयाः।<br>❖ श्रवण-कौशल-मूल्याङ्कनाय शिक्षकः स्वयम् अपि कथां श्रावयित्वा ततः सम्बद्ध-प्रश्नान् प्रष्टुं शक्नोति।</td><td>❖ उच्चारणम्<br>❖ शुद्धता<br>❖ समयबद्धता<br>❖ प्रस्तुतीकरणम्<br>(आरोहावरोह-गतियति-प्रयोगः)</td></tr>
<tr><td>(ख) लेखनकौशलम्</td><td>❖ विविधविषयान् आधृत्य मौलिकलेखनम् यथा – देशः, माता, पिता, गुरुः, विद्या पर्यावरणम्, योगः, समयस्य सदुपयोगः, शिक्षा, अनुशासनम् इत्यादयः।<br>❖ शैक्षिकभ्रमणस्य संस्कृतेन प्रतिवेदनलेखनम्।<br>❖ दैनन्दिनीलेखनम्।<br>❖ सङ्केताधारितं कथालेखनम्।<br>❖ भित्तिपत्रिकायाः निर्माणम्।<br>❖ श्रुतलेखः।<br>❖ सूक्तिलेखनम्।</td><td>❖ छात्राः यथाशक्यं कक्षायामेव लेखनकार्यं कुर्युः।<br>❖ टिप्पणी-पुस्तिकायाः निर्माणम्।<br>❖ वैयक्तिकपरीक्षणम्।</td><td>❖ विषय-सम्बद्धता<br>❖ शुद्धता (विशेषतः पञ्चमवर्णस्यप्रयोगः)<br>❖ समयबद्धता<br>❖ सुलेखः<br>❖ प्रस्तुतीकरणम्</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="5">अवधातव्यम् – उपर्युक्त-गतिविधयः उदाहरणरूपेण प्रदत्ताः सन्ति। एतदतिरिच्य एतादृशाः अन्यगतिविधयः अपि भवितुमर्हन्ति।</td></tr>
</table>

**************************************